अनेकान्त एवं स्याद्वाद : एक अनुचींतन

शोभा कुमारी

वस्तु पर आश्रित अनन्त सापेक्ष–विरोधी दृष्टियों एवं उनकी कथन–शैली के प्रतिपादन के लिए महावीर ने जिन सिद्धान्तों की खोज की, वे हैं– 'अनेकान्तवाद' और 'स्याद्वाद'। इस जगत में अनन्तानन्त चेतन पदार्थ (जीव) और अनन्तानन्द जड़ पदार्थ (पुद्गल) है, उनमें से प्रत्येक पदार्थ अनन्त गुणों (शक्तियों) तथा अनंत विशेषताओं का पुंज है। सूक्ष्म परमाणु (एटम) में भी अनंत शक्तियाँ निहित है। परमाणु की शक्ति से क्षणभर में विशाल नगरों का विध्वंस किया जा सकता है और विशाल परिमाण में विद्युत् (बिजली) उत्पन्न करनेवाले बिजलीघर का संचालन किया जा सकता है, भीमकाय जलयान (पानी के जहाज, पनडुब्बी, नाव आदि) भी परमाणु की शक्ति से चलाये जा सकते हैं। एक परमाणु में जब इस प्रकार की विध्वंस, निर्माण, संचालन एवं प्रेरणारूप असीम शक्तियाँ तथा विशेषताएँ सिद्ध होती है; तब अन्य विशाल जड़–चेतन पदार्थों के गुणो और विशेषताओं का भी इससे अनुमान लगाया जा सकता है।